संख्या– /XVIII(II)/2014–18(136)/2013

प्रेषक,

मास्करानन्द,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़।

राजस्व अनुभाग–2

देहरादूनः दिनांक, 07 ~~सितम्बर~~ अक्टूबर 2014

विषयः–जनपद पिथौरागढ़ में स्पोर्ट्स कॉलेज, लेलू की स्थापना हेतु कुल 20.059 है0 (999 नाली 15 मुट्ठी) भूमि खेल विभाग, उत्तराखण्ड शासन को निःशुल्क हस्तांतरण एवं कुल 19.462 है0 भूमि को गौचर में परिवर्तित किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या–1125/सात–06/2011–12 दि0–16.08.2014 एवं आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्र सं0–3072/रा0प0–भू0हस्ता0 (स्पोर्ट्स कॉलेज लेलू)/2014 दि0–08.09.2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, जनपद एवं तहसील पिथौरागढ के ग्राम लेलू के गैर ज0वि0 खतौनी खाता संख्या–125, श्रेणी 9(3)ग गौचर के खेत संख्या–13292, 13294, 14697 से 14702, 25484, 25488, 25493म0, 25494, 25781म0 कुल 13 खेतों की 970 नाली 03 मुट्ठी अर्थात 19.462 है0 एवं खाता संख्या–126 श्रेणी–9(3)ड के खेत संख्या–14819 से 14822, 14968, 14969 कुल 06 खेतों की 29 नाली 12 मुट्ठी अर्थात 0.597 है0 भूमि इस प्रकार उक्त दोनों खातों की कुल 999 नाली 15 मुट्ठी अर्थात 20.059 है0 राज्य भूमि वित्त अनुभाग–3 के शासनादेश संख्या–260/वित्त अनुभाग–3/2002 दिनांक 15–02–02 के प्राविधानों के अधीन तथा खेल विभाग, उत्तराखण्ड शासन की सहमति/अनापत्ति के क्रम में खेल विभाग, उत्तराखण्ड शासन को एवं ग्राम लेलू के गैर ज0वि0 खतौनी खाता संख्या–126, श्रेणी–9(3)ड बंजर काबिल आबाद के कुल 204 खेतों की 19.462 है0, (970 नाली 03 मुट्ठी) भूमि को गौचर में परिवर्तित किये जाने हेतु निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबंधों के अधीन निःशुल्क हस्तान्तरित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:–

(1) भूमि पर कोई धार्मिक अथवा ऐतिहासिक महत्व की इमारत न हो।

(2) जिस परियोजना के लिए भूमि हस्तान्तरित की जा रही है वह एक अनुमोदित परियोजना हो और उसके लिए शासन से सहमति प्राप्त हो चुकी हो।

(3) हस्तान्तरित भूमि यदि प्रस्तावित कार्य से भिन्न प्रयोजन के लिए उपयोग की जाये तो उसके लिये मूल विभाग से पुनः अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

(4) यदि भूमि की आवश्यकता न हो या 3 वर्षों तक हस्तान्तरित भूमि प्रस्तावित कार्य के लिए उपयोग में नही लायी जाती है तो वह मूल विभाग में स्वतः ही निहित हो जायेगी।

(5) जिस प्रयोजन हेतु भूमि हस्तान्तरित की जा रही है उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु किसी अन्य व्यक्ति, संस्था, समिति अथवा वभाग आदि को मूल विभाग की सहमति के बिना भूमि हस्तान्तरित नहीं की जायेगी।

(6) जिस प्रयोजन हेतु भूमि आवंटित की जा रही है उसकी पूर्ति के उपरान्त यदि भूमि अवशेष पड़ी रहती है, तो मूल विभाग को उसे वापस लेने का अधिकार होगा।

.....2

(7) प्रश्नगत भूमि पर वन संरक्षण अधिनियम लागू होने की दशा में भूमि के उपयोग का परिवर्तन गैर वानिकी कार्य हेतु तभी अनुमन्य होगा जब उक्त अधिनियम के अन्तर्गत नियत प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर ली जायेगी।

(8) प्रश्नगत नॉन जेड0ए0 भूमि आवंटन के पूर्व जमींदारी विनाश एवं भू–सुधार अधिनियम की धारा–132 के समकक्ष एवं अन्य सुसंगत प्राविधानों का अनुपालन जिलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

(9) इस संबंध में सिविल अपील संख्या–1132/2011 (एस0एल0पी0)/(सी) संख्या –3109/2011 श्री जगपाल सिंह एवं अन्य बनाम पंजाब राज्य एवं अन्य में मा0 सर्वोच्च न्यायालय के आदेश एवं अन्य संगत निर्देशों का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(10) आवंटन की अवधि समाप्त होने अथवा उपरोक्त शर्तो बिन्दु संख्या–1 से 09 मे से किसी भी शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में प्रश्नगत भूमि निर्माण सहित राजस्व विभाग में निहित हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।

कृपया इस संबंध में नियमानुसार अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए शासनादेश के परिप्रेक्ष्य में जिला स्तर से निर्गत आदेश एवं इस शासनादेश की शर्तों के अनुपालन स्थिति से शासन को अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(भास्करानन्द)
सचिव।

पृ0प0संख्या–2688/समदिनांकित/2014

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1– सचिव, खेल विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
2– आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उत्तराखण्ड, देहरादून।
3– आयुक्त, कुमाऊं मण्डल, नैनीताल।
4– निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
5– गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(संतोष बडोनी)
उप सचिव।